3. विषय:हिन्दी-'अ'

कक्षा:10

अधिकतम अंक : 80

समय 3 घंटे

ब्लू प्रिंट

क्र. सं.	उद्देश्य / प्रश्न का प्रकार / विषय इकाई	ज्ञान			अर्थग्रहण			अभिव्यक्ति			उपयोग			योग
		दी	लउ	अलउ	दी	लउ	अलउ	दी	लउ	अलउ	दी	लउ	अलउ	
1	अपठित गद्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
2	अपठित गद्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
3	अपठित गद्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
4	अपठित गद्यांश			2(2)*			3(3)*						5(5)	5(5)
5	व्यवहारिक व्याकरण			4(4)									4(4)	4(4)
6	व्यवहारिक व्याकरण			4(4)									4(4)	4(4)
7	व्यवहारिक व्याकरण			4(4)									4(4)	4(4)
8	अलंकार						4(4)						4(4)	4(4)
9	व्यवहारिक व्याकरण			3(3)*			1(1)*						4(4)	4(4)
10	पठित गद्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
11	गद्य प्रश्न					10(5)						10(5)	10(5)	10(5)
12	पठित पद्यांश					5(3)						5(3)	5(3)	5(3)
13	पद्य प्रश्न					5(3)						5(3)	5(3)	5(3)
14	पूरक पठन							5(1)			5(1)		5(1)	5(1)
15	पत्र लेखन							5(1)			5(1)		5(1)	5(1)
16	निबन्ध लेखन							5(1)			5(1)		5(1)	5(1)

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र
कक्षा-10
हिंदी 'ए'
संकलित परीक्षा 2

समय 3 घंटे **कुल अंक 80**

खंड 'क'

1. निम्नलिखित अपठित अंश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रत्येक प्रश्न का उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- 5x1=5

आज गांधी जी के आदर्श पर साहित्य की भरमार है लेकिन किसी को उनके आदर्श की गूंज सुननी हो तो वह सेवाग्राम आश्रम स्थित गांधीजी कुटी में सुन सकता है । जो उनके जीवनदर्शन को समझना चाहते हैं उनके लिए भी यह कुटिया मददगार हो सकती है। देश में गांधी जी के कई अन्य आश्रम भी उनकी याद दिलाते है लेकिन सेवाग्राम आश्रम सबसे अलग है। यह कुटिया आज भी उसी रूप में मौजूद है जैसे यह गांधी जी के समय थी।

विश्वविख्यात चिंतक इवान इलिच जब इस आश्रम में कुछ दशक पहले आए तो वे गांधीजी की कुटिया से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके । उनका कहना था कि मैं इस कुटिया के जरिए गांधीजी की दृष्टि को समझने का जितना प्रयास करता गया, उतना ही उनकी सादगी, सफाई और सौंदर्यवृति का स्पष्ट दर्शन होता गया। गांधीजी की कुटिया का संदेश है-सबके साथ प्यार और बराबरी का संबंध कायम करना । मैं पूरी तरह से निश्चिंत हूँ कि जिन लोगों को गांधीजी की इस कुटिया का महत्व समझ में नहीं आता और जो रहने के लिए बड़ी-बड़ी जगहों और आलीशान मकान की चाह रखते हैं, उनके मस्तिष्क,शरीर और जीवनपद्धति में दिवालियापन छाया हुआ है। मुझे उन पर दया आती है वे अपने सचेतन भाव को अचेतन मकानात के हवाले सौंप देते है। इस प्रकिया में वे अपने शरीर का लचीलापन और जिंदगी की जिंदादिली दोनों खो बैठते हैं। गांधीजी की यह कुटिया उस आंनद का प्रतीक है, जो मनुष्य को आम जन के साथ एक स्तर पर रहने से प्राप्त होता है। जहां स्वावलंबन मंत्र की साधना होती है और यह समझ बनती है कि बेकार की वस्तुओं को अपने घर मे जमा कर मनुष्य अपने वातावरण से आनंद प्राप्त करने की क्षमता खो बैठता है।

(i) सेवाग्राम का क्या महत्व है ?

(क) सेवाग्राम में गांधीजी कई वर्ष रहे थे ।

(ख) गांधी जी के जीवनदर्शन का व्यावहारिक रूप देखने को मिलता है ।

(ग) सेवाग्राम सादगी से बना है ।

(घ) देश-विदेश अनेक लोग वहां आते हैं ।

(ii) इवान इलिच गांधी जी की कुटिया से क्यों प्रभावित हुए ?

(क) कुटिया का रख-रखाव बहुत व्यवस्थित है ।

(ख) वहां सब मिलजुलकर रहते है ।

(ग) गांधी जी सादगी और सौंदर्यवृति को समझने में सहायक है ।

(घ) इवान इलिच ने ऐसी कुटिया पहले कभी देखी न थी ।

(iii) गांधी जी की कुटिया का संदेश है -

(क) परस्पर मेल, समता, प्रेम और भाईचारे से रहना ।

(ख) सादगी को महत्व देना ।

(ग) सरल और स्वच्छ जीवन जीना ।

(घ) हरेक की काम में मदद करना और ईमानदारी से जीवन जीना ।

(iv) भौतिकवादी मनुष्य आंनद प्राप्त करने की क्षमता क्यों खो बैठता है -

(क) वह भौतिक वस्तुओं मे सुख खोजता रहता है।

(ख) आलीशान मकान की चाह पूरी न होने पर आनंद नहीं मिलता ।

(ग) वह आत्मनिर्भरता से प्राप्त आनंद से स्वयं को वंचित कर लेता है ।

(घ) कुटिया में आरम्भ की वस्तुओं की अपेक्षा करता है ।

(v) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक होगा-

(क) वास्तविक आनंद

(ख) भौतिकवादी मनुष्य

(ग) सरल जीवन की कुटिया

(घ) सादगी और संयम की कुटिया

2. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-

मकबूल फिदा हुसेन पहले भारतीय कलाकार है जिन्हें जन-मानस में बड़ी जगह मिली, और जिन्होंने देश-दुनिया में ऐसी ख्याति अर्जित की, जिसे अभूतपूर्व ही कहा जाएगा। जिन लोगों ने उनका कोई मूल-चित्र नहीं भी देखा था वे उनके नाम से परिचित थे । पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से टीवी चैन्नलों, और कैटलॉग पुस्तकों के माध्यम से भी वे बहुतों तक पहुंचे। स्वयं तो वे अपनी कला को लोगों के बीच ले ही गए। आज वे तमाम स्थल मुझे याद आ रहे है, जहां उन्होंने लोगों के सामने कैनवस बिछा कर काम किया। त्रिवेणी कला संगम, दिल्ली, इंदौर के सार्वजनिक स्थल, भोपाल का भारत भवन - ऐसे तमाम स्थलों में शामिल है ।

इसके अतिरिक्त, वे जहां भी बैठते, चलते-फिरते थे, कुछ न कुछ बना रहे होते थे। कई लोगों को यह बात खलती-खटकती भी थी कि वे कलाकार की 'एकांत-साधाना' की जगह, उसका यह 'सार्वजनिक रूप' उजागार करने में क्यों जुटे हुए हैं। पर इस प्रकार के कला-कर्म के पीछे दरअसल, एक गहरी समझ छिपी हुई थी। वे जानते थे कि जब तक कैनवस पर तैलरंगों से अंकन विधि को सहज नहीं बना दिया जाएगा, आधुनिक समकालीन भारतीय चित्रकला लोगों के बीच स्वीकृत नहीं हो सकेगी। कलाकार कहीं एकांत में, इजल पर कैनवस रख कर काम करता है और इसी प्रकार कैनवस पर चित्र-रचना की विधि में महारत हासिल करके यह जताया था कि हम इस अजनबी विदेशी माध्यम को कुशलतापूर्वक बरत सकते है तो हुसैन ने यह जताया कि हम इसे लगभग उसी प्रकार बरत सकते है, जैसे कि कागज पर जलरंगों को या कपड़े पर प्राकृतिक रंगों को बरतते रहे है। यह एक बड़ा कदम था ।

यहाँ यह याद कर सकते है कि पहले हमारें यहां स्वयं अंग्रेजों द्वारा स्थापित तमाम कला महाविद्यालयों मे, छात्रों के लिए कैनवस पर तैलरंगों से काम करने की एक अलिखित मनाही थी । यह भी कि कैनवस और तैलरंग आसानी से सुलभ भी नहीं थे । इसलिए अगर यह कहें कि कैनवस पर तैलरंगों से रचना भी, हमारे यहां हुसेन साहब के कारण गतिशील हुई तो इसमें अतिरंजना न होगी। सत्तर के दशक के बाद कला महाविद्यालयों समेत, सभी पीढियों के

कलाकारों ने बड़ी संख्या में कैनवस को बरतना शुरू किया । स्वयं रंग-सामग्री, कैनवस सामग्री, और फ्रेमर्स का व्यापार बढ़ा ।

(i) मकबूल फिदा हुसेन पूरे विश्व में चर्चित क्यों रहे ?

(क) सब उनके नाम से परिचित थे ।

(ख) अपनी अभूतपूर्व कला से देश-विदेश में कीर्ति अर्जित की ।

(ग) उनकी पहुंच आम लोगों तक भी थी ।

(घ) अपनी सादगी-सहजता के कारण चर्चित थे ।

(ii) कई लोगों को क्या पसंद नहीं था ?

(क) हुसेन ने अपनी कला को सब लोगों के बीच उजागर किया ।

(ख) हुसेन की विचारधारा अलग थी ।

(ग) वे तैलरंगो का प्रयोग करते थे ।

(घ) वे एकांत-साधना करते थे ।

(iii) उनके कला-कर्म के पीछे गहरी समझ क्या थी ?

(क) एकांत में कैनवस पर चित्रकारी करना श्रेष्ठ है ।

(ख) तैलरंगों की प्रयोग-विधि को सरल और सहज बनाना ।

(ग) किसी शांत स्थल पर अपने विचारों और कल्पना को रूप-आकार देना बेहतर है ।

(घ) भारतीय चित्रकारों को भी तैलरंगों का प्रयोग करना चाहिए ।

(iv) राजा रवि वर्मा की चित्रकला ने क्या तथ्य उजागर किया?

(क) हम भी किसी अन्य माध्यम को अपनी कला में प्रयोग ला सकते है ।

(ख) हम कागज पर जलरंगों के समान इसका प्रयोग भी कर सकते हे ।

(ग) हम अपनी चित्रकारी को दुनिया में नाम दिला सकते है ।

(घ) चित्रकला में प्राकृतिक रंगों का प्रयोग भी संभव है ।

(v) हुसेन साहब की चित्रकला से कला के क्षेत्र में कौन-सी क्रांति आई ?

(क) एक नई शैली का प्रकटीकरण हुआ ।

(ख) कैनवस और तैलरंग का प्रयोग बढ़ने लगा ।

(ग) उन्होंने कई माध्यमों को मिलाकर एक नई दिशा दी है ।

(घ) चित्रकला के साथ-साथ अभिव्यक्ति के अन्य माध्यम भी प्रयुक्त करते थे ।

3. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए - 5x1=5

तिनका-तिनका चिड़िया लाकर
रचती है आवास नया
इसी तरह से रच जाता है

सर्जन का आकाश नया ।
मानव और दानव में यूँ तो
भेद नजर नहीं आएगा
एक पोंछता बहते आँसू
जी भर एक रुलाएगा
रचने से ही आ पाता है
जीवन में विश्वास नया ।
कुछ तो इस धारती पर केवल
खून बहाने आते हैं
आग बिछाते हैं राहो में
फिर खुद भी जल जाते हैं ।
जो होते खुद मिटने वाले
वे रचते इतिहास नया ।
मंत्र नाश का पढा करें कुछ
द्वार-द्वार पर जा करके
फूल खिलाने वाले रहते
घर-घर फूल खिला करके ।

(i) मानव और दानव में क्या अन्तर है ? 1

(क) मानव सुन्दर है दानव भयानक और कुरूप

(ख) मानव सृजन करता है दानव विनाश

(ग) मानव दूसरों की पीड़ा हरता है, दानव दुख देता है

(घ) मानव जो खुशियाँ बाँटता है दानव उन्हें छीन लेता है ।

(ii) नया सृजन किस तरह होता है ? 1

क) धीरे-धीरे परिश्रम से

(ख) तेजी से अचानक

(ग) थोड़ा-थोड़ा करके

(घ) धैर्य और परिश्रम से

(iii) अत्याचारी का क्या अंत होता है? 1

(क) सुखदायी होता है

(ख) अपनी आग में जल जाता है

(ग) खुद मिट जाता है

(घ) अन्य लोग आग में झोंक देते हैं

(iv) नया विश्वास किस प्रकार आता है? 1

(क) मिटने से

(ख) बिगाड़ने से

(ग) बुराई का विनाश करने से

(घ) निर्माण से

(v) इतिहास कौन रचता है? 1

(क) जो खून बहाते हैं

(ख) जो राहों में अंगारे बिछाते हैं

(ग) जो बलिदान देते हैं

(घ) जो नया सृजन करते हैं ।

4. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए- 5x1=5

ऋषि-मुनियों, साधु-सन्तों को
नमन, उन्हें मेरा अभिनन्दन ।
जिनके तप से पूत हुई है
भारत देश की स्वर्णिम माटी
जिनके श्रम से चली आ रही
युग-युग से अविरल परिपाटी।
जिनके संयम से शोभित है
जन-जन के माथे पर चंदन।
कठिन आत्म-मंथन के हित
जो असि-धारा पर चलते हैं
पर-प्रकाश हित पिघल-पिघल कर
मोम-दीप-सा जलते हैं ।
जिनके उपदेशों को सुनकर
संवर जाए जन-जन का जीवन
सत्य-अहिंसा जिनके भूषण
करुणामय है जिनकी वाणी
जिनके चरणों से हैं पावन

भारत की यह अमिट कहानी

उनके ही आशीष, शुभेच्छा, पाने को करता पद-वंदन ।

(i) ऋषि-मुनियों ने भारत भूमि को कैसा बनाया है ? 1

(क) खुशहाल

(ख) स्वर्णिम

(ग) पवित्र

(घ) पुत्रवती

(ii) 'असि-धारा' पर चलने से कवि क्या कहना चाहता है? 1

(क) तलवार की धार पर चलना

(ख) कठिन मार्ग पर चलते हुए संघर्ष करना

(ग) तेज धूप में चलना

(घ) नदी किनारे चलना

(iii) 'सत्य-अहिंसा' में कौन-सा समास है? 1

(क) ब्रहुव्रीहि-

(ख) द्वंद्व

(ग) द्विगु

(घ) अव्ययीभाव

(iv) 'मोम दीप-सा' में कौन-सा अलंकार है? 1

(क) रूपक

(ख) उपमा

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) यमक

(v) भारतीय का जीवन संवारने के लिए साधु-संतों ने क्या नहीं किया? 1

(क) तपस्या

(ख) परिश्रम

(ग) आत्म-मंथन

(घ) योग

खण्ड 'ख'

5. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों के पद-परिचय के लिए उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखित- 4x1=4

(i) **कभी-कभी बाबूजी** हमसे कुश्ती भी लड़ते 1

(क) कालवाचक क्रिया विशेषण

(ख) कालवाचक क्रिया विशेषण, 'लड़ते क्रिया का विशेषण

(ग) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, लड़ते क्रिया का विशेषण

(घ) परिमाण वाचक क्रिया विशेषण

(ii) **वह** थाली में दही-भात सानकर हमें खिलाती। 1

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ख) अन्यपुरूष वाचक सर्वनाम

(ग) अन्यपुरूषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, खिलाती, क्रिया क्रिया का कर्ता

(घ) मध्यमपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, 'खिलाती' क्रिया का कर्ता

(iii) हम **उनके** कंधो पर विराजमान रहते थे। 1

(क) अन्यपुरुष वाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) सार्वनामिक विशेषण

(ग) सार्वनामिक विशेषण

(घ) सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन

(iv) ऐसे-ऐसे **नाटक** हम लोग बराबर खेला करते थे 1

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक

(ग) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक

6. सही विकल्प चुनकर लिखिए - 4x1=4

रचना के आधार पर वाक्य भेद पहचानिए-

(i) थोड़ी देर में मिठाई की दुकान बढ़ाकर हम लोग घरौंदा बनाते थे। 1

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्रित वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) सरल ओर मिश्रित वाक्य

(ii) बाबूजी जिस छोटी चौकी पर बैठकर नहाते थे वही रंगमंच बनती है। 1

उपर्युक्त वाक्य में प्रधान उपवाक्य है-

(क) बाबू जी जिस छोटी चौकी पर बैठकर नहाते थे ।

(ख) वहीं रंगमंच बनती ।

(ग) जिस छोटी चौकी पर बैठकर नहाते थे ।

(iii) निम्नलिखित वाक्य का मिश्रित वाक्य बनेगा - 1

पंगत के बैठने पर बाबूजी भी धीरे से आकर जीमने के लिए बैठ जाते।

(क) पंगत बैठती और बाबूजी भी धीरे से आकर जीमने के लिए बैठ जाते।

(ख) बाबूजी धीरे से आकर जीमने के लिए पंगत में बैठ जाते ।

(ग) जब पंगत बैठती तब बाबूजी धीरे से आकर जीमने के लिए बैठ जाते।

(घ) जीमने के लिए बाबूजी धीरे से आकर पंगत में बैठ जाते।

(iv) निम्नलिखित वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा - 1

एक टीले पर जाकर हम लोग चूहों के बिल में पानी उलीचने लगे।

(क) एक टीले पर पहुँचकर हम लोग चूहों के बिल में पानी उलीचने लगे ।

(ख) जब हम लोग टीले पर गए तब चूहों के बिल में पानी उलीचने लगे ।

(ग) हम लोग एक टीले पर गए और चूहों के बिल में पानी उलीचने लगे ।

(घ) जैसे ही हम लोग एक टीले पर पहुँचे वैसे ही चूहों के बिल में पानी उलीचने लगे ।

7. सही विकल्प चुनकर लिखिए - 4x1=4

(i) आज विद्यालय के बच्चों ने कव्वाली में समाँ बाँधा दिया । 1

इस वाक्य का कर्तृवाच्य होगा-

(क) आज विद्यालय के बच्चों द्वारा कव्वाली में समाँ बाँध दिया गया ।

(ख) कव्वाली में समाँ बाँध दिया विद्यालय के बच्चों ने

(ग) बच्चों द्वारा कव्वाली में समाँ बँध गया ।

(घ) आज विद्यालय के बच्चों ने समाँ बाँध दिया ।

(ii) हम इतना कष्ट नहीं सह सकते । 1

इस वाक्य का भाव वाच्य होगा -

(क) इतना कष्ट हम नहीं सह सकते ।

(ख) हमसे इतना कष्ट सहा नहीं जाता ।

(ग) हम इतना कष्ट सह नहीं पाएंगे ।

(घ) इतना कष्ट कैसे सहेंगे ।

(iii) ये कविताएँ महादेवी ने लिखी हैं । 1

इस वाक्य का कर्मवाच्य होगा-

(क) महादेवी ने ये कविताएं लिखी हैं।

(ख) महादेवी ने इन कविताओं को लिखा है ।

(ग) महादेवी द्वारा ये कविताएं लिखी गई हैं ।

(घ) महादेवी द्वारा यह कविता लिखी गई है ।

(iv) कौन-सा वाक्य कर्मवाच्य में नहीं है? 1

(क) मेरे द्वारा पाठ पढ़ा गया ।

(ख) छुट्टी की घोषणा की गई ।

(ग) मुझसे यह काम कैसे होगा ।

(घ) मुझसे दर्द के कारण बैठा नहीं जाता ।

8. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों के रेखांकित अंश में प्रयुक्त अलंकारों के नाम सहीं विकल्प में से चुनिए- 4x1=4

(i) सोहत ओढ़े पीत पढ, स्याम सलोने गात । 1

मनो नीलमणि सैल पर, आतप पर्‌यौ प्रभात ।

क-उपमा ख-रुपक ग-उत्प्रेक्षा घ-श्लेष

(ii) **चमक गई चपला चम-चम ।**

क-अनुप्रास ख-रूपक ग-उपमा घ-मानवीकरण

(iii) **मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के ।** 1

क-रूपक ख-उपमा ग-मानवीकरण घ-श्लेष

(iv) **वह दीपशिखा-सी शांत भाव में लीन ।** 1

क-उपमा ख-रूपक ग-उत्प्रेक्षा घ-यमक

9. सही विकल्प चुनकर लिखिए- 4x1=4

(i) किस पंक्ति में यमक अलंकार है? 1

(क) खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा ।
किसलय का अंचल डोल रहा ।

(ख) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रहीं हैं जल-थल में ।

(ग) रहिमन पानी राखिए , बिन पानी सब सून ।
पानी गए न उबरे, मोती मानुस चून ।

(घ जलता है यह जीवन-पतंग ।

(ii) कौन सा वाक्य भाव वाच्य बनेगा- 1

रात मे वह चल नहीं सकता ।

(क) रात में वह कैसे चल पाएगा ।

(ख) रात में उससे चला नहीं जाता

(ग) वह रात में चल नहीं सकेगा ।

(घ) रात में वह चल नहीं पाएंगा ।

(iii) निम्नलिखित वाक्य में आश्रित उपवाक्य है - 1

मिल लेना क्योंकि तुम्हें काम है ।

(क) मिल लेना ।

(ख) क्योंकि तुम्हें काम है।

(ग) तुम्हें काम है ।

(घ) क्योंकि काम है ।

(iv) रेखांकित पद का पद-परिचय होगा- 1

रुचिका ने मेले से पुस्तकें **<u>खरीदीं</u>** ।

(क) अकर्मक क्रिया

(ख) सकर्मक क्रिया।

(ग) मिश्र क्रिया

(घ) संयुक्त क्रिया

खंड 'ग'

प्रश्न10. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए - 1X5=5

फादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे। कभी-कभी लगता है वह मन से सन्यासी नहीं थे। रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे। दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी। वह जब भी दिल्ली आते जरूर मिलते-खोजकर, समय निकाल कर गर्मी, सर्दी, बरसात झेलकर मिलते, चाहे दो मिनट के लिए ही सही। यह कौन सन्यासी करता है? उनकी चिंता हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की थी । हर मंच से इसकी तकलीफ बयान करते इसके लिए अकाट्य तर्क देते। बस इसी एक सवाल पर उन्हें झुँझलाते देखा है और हिंदी वालों द्वारा हीं हिंदी की उपेक्षा पर दुख करते उन्हें पाया है । घर-परिवार के बारे में, निजी दुख-तकलीफ के बारे में पूछना उनका स्वभाव था और बड़े से बड़े दुख में उनके मुख से सांत्वना के जादू भरे दो शब्द सुनना एक ऐसी रोशनी से भर देता था जो किसी गहरी तपस्या से जनमती है । 'हर मौत दिखाती है जीवन को नयी राह।' मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु याद आ रही है और फादर के शब्दों से झरती विरल शांति भी।

(i) फादर बुल्के मन से सन्यासी क्यों नहीं थे? 1

(क) उनका मन चंचल था।

(ख) वे रिश्तों का निर्वाह करते थे ।

(ग) वे संकल्प से सन्यासी थे ।

(घ) वे सन्यासियों की तरह बातचीत नहीं करते थे ।

(ii) कैसे कहा जा सकता है कि वे मिलनसार थे ? 1

(क) अपने व्यस्त जीवन में भी दूसरों के लिए समय निकालते थे ।

(ख) वे सांत्वना प्रकट करते थे ।

(ग) उनका व्यक्तित्व देवदारू के वृक्ष के समान था ।

(घ) दूसरों के दुख में दुखी होते थे ।

(iii) हिंदी के बारे में उनके क्या विचार थे ? 1

(क) वे रांची में हिन्दी तथा संस्कृत विभाग के अध्यक्ष रहे ।

(ख) हिंदी की उपेक्षा किए जाने पर उन्हें दुख होता था।

(ग) वे हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखना चाहते थे ।

(घ) उन्होंने प्रसिद्ध अंग्रेजी हिंदी कोश तैयार किया ।

(iv) हर मौत दिखाती है जीवन को नयी राह।' का आशय है - 1

(क) मृत्यु नया रास्ता दिखाती हे ।

(ख) मृत्यु जीवन जीने के लिए संघर्ष करना सिखाती है ।

(ग) मृत्यु के पश्चात् नया जीवन मिलता है ।

(घ) मृत्यु ईश्वर में आस्था जगाती है ।

(v) 'फादर के शब्दों से झरती विरल शांति से क्या तात्पर्य है। 1

(क) फादर मीठी वाणी बोलते थे।

(ख) उनके मुख से शांति प्रकट होती थी ।

(ग) उनके मुख से निकले शब्द हृदय को सुकून देते थे ।

(घ) वे शांतिप्रय थे ।

अथवा 1x5=5

नाटकों में स्त्रियों का प्राकृत बोलना उनके अपढ़ होने का प्रमाण नहीं । अधिक से अधिक इतना ही कहा जा सकता है कि वे संस्कृत न बोल सकती थी। संस्कृत न बोल सकना न अपढ़ होने का सबूत है और न गँवार होने का। अच्छा तो उत्तररामचरित में ऋषियों की वेदांतवादिनी पत्नियाँ कौन-सी भाषा बोलती थीं। उनकी संस्कृत क्या कोई गंवारी संस्कृत थी? भवभूति और कालिदास आदि के नाटक जिस ज़माने के हैं उस जमाने में शिक्षितों का समस्त समुदाय संस्कृत ही बोलता था, इसका प्रमाण पहले कोई दे ले तब प्राकृत बोलने वाली स्त्रियों को अपढ़ बताने का साहस करे। इसका क्या सबूत कि उस जमाने में बोलचाल की भाषा प्राकृत न थी? सबूत तो प्राकृत के चलन के ही मिलते हैं। प्राकृत यदि उस समय की प्रचलित भाषा न होती तो बौद्धों तथा जैनों के हज़ारों ग्रंथ उसमें क्यों लिखे जाते, और भगवान शाक्य मुनि तथा उनके चेले प्राकृत ही में क्यों धर्मोपदेश देते ?

(i) नाटकों में स्त्रियों का प्राकृत बोलना किस बात का प्रमाण है? 1

(क) उनके अपढ़ होने का ।

(ख) उनके अपढ़ न होने का ।

(ग) घर तक सीमित रहने का ।

(घ) उनके गंवार होने का ।

(ii) भवभूति एवं कालिदास के जमाने में संस्कृत ही शिक्षित समुदाय की भाषा नहीं थी। द्विवेदी जी ने इसका क्या तर्क दिया? 1

(क) केवल धनाढ्य एवं सम्मानित व्यक्ति ही संस्कृत बोलते थे ।

(ख) सब संस्कृत के जानकार थे ।

(ग) स्त्रियों को संस्कृत नहीं पढ़ाई जाती थी ।

(घ) बौद्धों एवं जैनों के हजारों ग्रंथों की रचना प्राकृत में हुई ।

(iii) उत्तररामचरित में ऋषियों की पत्नियां कौन सी भाषा बोलती थी? 1

(क) संस्कृत

(ख) प्राकृत

(ग) हिंदी

(घ) अन्य

(iv) भवभूति और कालिदास के ज़माने में बोलचाल की प्रचलित भाषा थी - 1

(क) संस्कृत

(ख) हिंदी

(ग) प्राकृत

(घ) उर्दू

(v) इस पूरे अनुच्छेद में लेखक क्या कहना चाहता है। 1

(क) स्त्रियाँ केवल प्राकृत बोलती थीं ।

(ख) प्राचीन काल में भी स्त्रियाँ शिक्षित थीं।

(ग) स्त्रियाँ संस्कृत भी बोलती थीं ।

(घ) स्त्री शिक्षा का प्रचलन नहीं था ।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए - 2x5=10

(क) वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति किसे कहा जा सकता है।

(ख) लेखिका मन्नू भंडारी ने अपनी माँ की किन विशेषताओं के बारे में बताया है ?

(ग) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है ?

(घ) मन्नू भंडारी के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कह कर क्यों संबोधित किया है ?

(ङ) शहनाई को 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि क्यों दी गई है?

12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

कितना प्रामणिक था उसका दुख
लड़की को दान में देते वक्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो
लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास तो होता था
लेकिन दुख बँटाना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की
कुछ और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की

(क) वाक्यांश में किसके दुख को प्रामणिक कहा गया है। 1

(ख) कन्यादान करते हुए माँ को बेटी अपनी अतिम पूंजी क्यों लग रही थी ? 2

(ग) 'लड़की अभी सयानी नहीं थी', पंक्ति का आशय स्पष्ट करे। 1

अथवा

तभी मुख गायक को ढाँढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं
उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए ।

(क) मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाने किसका स्वर आ जाता है? 1

(ख) मुख्य गायक को अकेलेपन के अहसास से बचाने के लिए संगतकार क्या प्रयास करता है ? 2

(ग) संगतकार की हिचक भरी आवाज उसकी विफलता नहीं मनुष्यता है। कैसे? 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए क्या-क्या तर्क दिए? राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद के आधार पर उत्तर दीजिए । 2

(ख) फसल को हाथों के स्पर्श की गरिमा और महिमा कह कर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है? 2

(ग) छाया मत छूना, कविता में छाया का क्या तात्पर्य है? 1

14. आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है? इसे रोकने में आपकी क्या भूमिका होनी चाहिए? 5

अथवा

दुलारी विशिष्ट कहे जाने वाले सामाजिक-सांस्कृतिक दायरे से बाहर है फिर भी अति विशिष्ट है । इस कथन को ध्यान में रखते हुए दुलारी की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए ।

खण्ड 'घ'

15. निम्नलिखित विषयों में से दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर निबन्ध लिखें- 5

(क) कम्प्यूटर-एक क्रांतिकारी परिवर्तन

- विज्ञान का चमत्कारी यंत्र
- उपभोक्तावादी संस्कृति में कम्प्यूटर
- कम्प्यूटर के कारण हुई सूचना-क्रांति
- जनजीवन पर बढ़ता प्रभाव-लाभ व हानियाँ

अथवा

(ख) भ्रष्टाचार

- भ्रष्टाचार क्या है
- विभिन्न रूप व कारण
- सरकार का नियंत्रण व झूठे दावे
- समाधान के उपाय-विरोध और जागृति

16. आपके क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है । स्थिति को बेहतर बनाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को पत्र लिखिए । 5

अथवा

फैशन में समय और धन का अपव्यय करने वाली अपनी छोटी बहन को प्रेरणाप्रद पत्र लिखिए ।

अंक-योजना

हिंदी 'ए'

कक्षा-X

एस.ए. II

समयः 3 घंटे **अंक 70**

1.	(i) ख	(ii) ग	(iii) क	(iv) ग	(v) घ	1x5=5
2.	(i) ख	(ii) क	(iii) ख	(iv) क	(v) ख	1x5=5
3.	(i) ग	(ii) घ	(iii) ख	(iv) घ	(v) ग	1x5=5
4.	(i) ग	(ii) ख	(iii) ख	(iv) ख	(v) घ	1x5=5
5.	(i) ख	(ii) ग	(iii) ख	(iv) क		1x4=4
6.	(i) क	(ii) ग	(iii) ग	(iv) ग		1x4=4
7.	(i) क	(ii) ख	(iii) ग	(iv) घ		1x4=4
8.	(i) ग	(ii) क	(iii) ग	(iv) क		1x4=4
9.	(i) क	(ii) ख	(iii) क	(iv) ख		1x4=4
10.	(i) ख					1
	(ii) क					1
	(iii) ग					1
	(iv) ख					1
	(v) ग					1

अथवा

	(i) ख	1
	(ii) घ	1
	(iii)क	1
	(iv)ग	1
	(v)ख	1

11. (क) जो बुद्धिमान हो और विवेकपूर्ण कार्य से नए तथ्य का अनुसंधान करे
जिसके कार्यों में कल्याण की भावना निहित हो । 1+1=2

(ख) लेखिका मन्नू भंडारी की माँ अपढ़ और व्यक्तित्व रहित थी ।

- जीवन भर दिया कभी कुछ माँगा नहीं ।

- पति की हर ज्यादती को अपना प्राप्य मानती, बच्चों की उचित-अनुचित फरमाइश पूरा करती। 1+1=2

(ग) विश्व स्तर पर शहनाई को मंगल वाद्य के रूप में प्रतिष्ठित करने के कारण ।

- नियमित रूप से बाला जी के मन्दिर में, प्रथम स्वतंत्रा व गणतन्त्र दिवस अन्य मांगलिक अवसरों पर शहनाई वादन के कारण 1+1=2

(घ) - भटियार खाना अर्थात जहाँ हमेशा भट्ठी जलती रहती है ।

- उनका मानना था कि इसमें उलझने से मन्नू की प्रतिभा व क्षमता नष्ट हो जाएगी और व्यक्तित्व का विकास नहीं हो पाएगा । 1+1=2

(ड) सुषिर वाद्यों का अर्थ है - फूँक कर बजाए जाने वाले वाद्य। शहनाई इसमें सर्वोत्कृष्ट है ।

- इन वाद्यों में रीड का प्रयोग होता हौ उसे 'नय ' कहा जाता है और शहनाई को 'शाहेनय' अर्थात सुषिर वाद्यों का शाह । 1+1=2

12. (क) कन्यादान करती माँ के दुख को । 1

(ख) बेटी माँ के हृदय के सबसे निकट और सुख-दुख की साथी थी ।

- कन्यादान करते समय माँ स्वयं को अकेली व निस्सहाय समझते हुए अपनी अंतिम पूंजी भी चले जाने का अनुभव करती है। 1+1=2

(ग) - लड़की कम वय की, भोली, सरल व नासमझ थी ।

- उसे केवल सुख का अनुभव था, संसार की कटुव दुखद वास्तविकताओं से अपरिचित थी । 1+1=2

अथवा

(क) संगतकार का । 1

(ख) मुख्य गायक के स्वर मिला कर उसकी आवाज को बल देते है ।

- उसके सुर से भटकने स्वर बिखरने व प्रेरणा और उत्साह का साथ छोड़ने पर तुरंत सुर संभाल लेते है। 1+1=2

(ग) संगतकार जानते-बूझते मुख्य गायक से आगे निकलने का प्रयास नहीं करता

- स्वयं को पर्दे के पीछे रख कर मुख्य गायक की श्रेष्ठता को प्रतिपादित करता है । 1+1=2

13. (क) बचपन में हमने अनेक धनुष तोड़े, किंतु आप कभी क्रोधित नहीं हुए

- हमारी दृष्टि में सभी धनुष एक समान है। उसको तोड़ने में कोई लाभ-हानि नहीं देखते ।

- यह धानुष पुराना व जर्जर था। श्रीराम के छूते ही टूट गया । 1+1=2

(ख) फसल बोने, उगने व पकने तक मानव के हाथों अनयक श्रम का योगदान है ।

– उनके प्यार भरे स्पर्श और अनयक श्रम की गरिमा मिलने पर ही वह महिमामयी स्थिति में आती है। 1+1=2

(ग) छाया का अर्थ है भ्रम या सुविधा। अतीत की सुखद स्मृतियों में खो कर मनुष्य यथार्थ से मुँह मोड़ कल्पना में जीने लगता है । 1

14. पर्वतीय प्रदेशों की यात्रा के दौरान गंदगी फैलाकर, चट्टानों, पेड़ों पर नाम या विज्ञापन लिख कर नए टूरिस्ट स्पॉट बनाकर व होटलों का निर्माण करके। 5

– अनवरत जंगलों का कटवाकर व नए पेड़ों का आरोपण न करके ।

– बढ़ते कल-कारखानों के जहरीले रसायनों , कीटनाशक दवाइयों, प्लास्टिक की थैलियों का उचित निपटान ।

– हानिकारक वैज्ञानिक प्रयोग करके।

उपाय

– वृक्षों के कटान को रोकेगें। जन्मदिन व शुभ अवसर पर पेड़ लगाएँगे व उपहार देंगे

– वायु ,जल, ध्वनि प्रदूषण को रोकने के उपाय करेंगे ।

– पर्यावरण विभाग द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करेगे ।

अथवा

- दुलारी सुदृढ़ शरीर वाली कुशल गायिका है वह अति विशिष्ट है क्योंकि 5

  उसे जन्म भूमि के प्रति असीम प्रेम है ।

- विदेशी शासन के प्रति क्षोभ-अपनी नई विदेशी धोतियों की आहुति देकर प्रकट करती है ।
- पराधीनता की चादर का उतार फेंकने की उत्कट लालसा है ।
- टुन्नू द्वारा दी गई खादी की साड़ी पहन अंग्रेजों की सभा में दुख भरा गीत गाकर अनाम शहीदों को न भूलने का संदेश देती है ।

15. निबंध के लिए अंक योजना

(i) भूमिका /प्रस्तावना 1

(ii) विषय प्रतिपादन 2

(iii) भाषा की शुद्धता 1

(iv) उपसंहार 1

16. पत्र लेखन

(i) प्रारंभ एवं समापन की औपचारिकताएं 2

(पता, दिनांक, संबोधन, समापन)

(ii) विषय सामग्री/प्रस्तुति 2

(iii) भाषा की शुद्धता

3. विषय:हिन्दी-बी

कक्षा:10

अधिकतम अंक : 80

ब्लू प्रिंट

समय 3 घंटे

क्र. सं.	उद्देश्य	ज्ञान			अर्थग्रहण			अभिव्यक्ति			उपयोग			योग
	प्रश्न का प्रकार / विषय इकाई	दी	लउ	अलउ	दी	लउ	अलउ	दी	लउ	अलउ	दी	लउ	अलउ	
1	अपठित गद्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
2	अपठित गद्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
3	अपठित गद्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
4	अपठित गद्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
5	व्यवहारिक व्याकरण			4(4)									4(4)	4(4)
6	व्यवहारिक व्याकरण			4(4)									4(4)	4(4)
7	व्यवहारिक व्याकरण			4(4)									4(4)	4(4)
8	व्यवहारिक व्याकरण			4(4)									4(4)	4(4)
9	व्यवहारिक व्याकरण			4(4)									4(4)	4(4)
10	पठित काव्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
11	गद्य प्रश्न								5(2)			5(2)		5(2)
12	आशय							5(1)			5(1)			5(1)
13	पठित गद्यांश								5(4)				5(4)	5(4)
14	काव्य प्रश्न								4(2)*	1(1)*		4(2)*	1(1)*	5(3)
15	पूरक पुस्तक								3(1)			3(1)		3(1)
16	पूरक पुस्तक								2(1)			2(1)		2(1)
17	अनुच्छेद							5(1)			5(1)			5(1)
18	पत्र							5(1)			5(1)			5(1)

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र - 2011-12

संकलित परीक्षा - II

कक्षा-दसवीं

विषय-हिन्दी (ब)

अंक-80

खंड-क

प्रश्न। निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से छाँटकर लिखिए । 5x1=5

यांत्रिक गति से जाते और लौटते पंडितजी आज सुबह अचानक उस मैदान की ओर बढ़ चले जहाँ कक्षा-भवनों से कलकल-ध्वनि के साथ बालकों की धारा निकलकर बढ़ रहीं थी । उन्हें यह समझने में देर नहीं लगी कि यह स्कूली बच्चों की प्रार्थना का समय है । बालक अब पंक्तिबद्ध खड़े हो गए । कलकल-ध्वनि शांत हो गई। किसी आंतरिक अनुशासन में सबके मुँह पर शांति और नम्रता की सात्विक आर्द्रता छा गई । सिर किंचित् आगे झुक गए । हाथ जुड़ गए। आँखें मुँदी अथवा अधगुँदी स्थितियों में हो गईं ।

पंडितजी ने सोचा, कौन कहता है कि आज का छात्र-वर्ग विद्या-बुद्धि के साथ अनुशासन की दिशा में एकदम खोखला हो गया है? कौन कहता है कि आज के छात्रों में उद्दंडता के अतिरिक्त और कुछ नहीं है ? ऐसा सोचने वाले एक बार आकर उन्हें इस रूप में देखें । ऊँचें दर्जे के छात्र भी छोटे बालकों के साथ शांत और संयमित हैं। क्या कभी और मारपीट कर छात्रों को इतना शांत बनाया जा सकता है? नहीं, यह प्रार्थना और ईश्वर की महिमा का प्रभाव है । भारतवर्ष में शिक्षा को भगवान और उसकी प्रार्थना से काट दिया जाएगा तो वह खोखली हो जाएगी । प्रार्थनासभा की यह भावमग्नता यदि कक्षा-भवन में नहीं रह जाती है तो शिक्षा की सफलता संदिग्ध रहेगी ।

(क) शिक्षा में प्रार्थना का क्या महत्व है? 1

(i) यह आंतरिक अनुशासन व शांति का पाठ पढ़ाती है ।

(ii) प्रार्थना करना अनिवार्य है । 1

(iii) इससे सद्बुद्धि व सफलता मिलती है ।

(iv) इससे शिक्षा का शुभांरभ होता है ।

(ख) प्रार्थना के समय बच्चों को विशेष स्थिति में खड़ा देख पंडित जी के मन में क्या विचार आए? 1

(i) अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रार्थना आवश्यक है ।

(ii) प्रार्थना करते समय बच्चे काफी शांत रहते है ।

(iii) आज भी विद्यार्थियों में अनुशासन है ।

(iv) इससे एक अच्छे दिन का आरंभ होता है ।

(ग) प्रार्थना में खड़े होते समय बच्चों की स्थिति कैसी थी? 1

(i) बच्चे उद्दंड स्थिति में थे ।

(ii) बच्चे मौन, विनम्र व चंचल स्थिति में थे ।

(iii) वे शांत व विनम्र थे व उनके मुख पर आर्द्रता छाई हुई थी ।

(iv) उनका मुख बुझा-सा था ।

(घ) स्कूल के बच्चों को किस प्रकार शांत बनाया जा सकता है? 1

(i) तन्मयतापूर्वक प्रार्थना करने से

(ii) उन्हें अनुशासित करके

(iii) उन्हें डर दिखाकर

(iv) शांत रहने के नियम सिखाकर

(ड़) शिक्षा की सफलता कब धूमिल हो जाती है ? 1

(i) प्रार्थना-सभा का दृश्य आँखों से ओझल होने पर

(ii) कक्षा में आते ही अनुशासनहीनता का प्रदर्शन करने पर

(iii) विद्यार्थियों के आपस में झगड़ने पर

(iv) प्रार्थना-सभा की शांति, अनुशासन, विनम्रता के लोप होने पर

प्रश्न2 वह थोथला अध्यापक जिसमें नाममात्र का भी गुण नहीं, केवल दसवीं पास करके उससे दुगुना वेतन पाता है । बस, उसकी यहीं बात तो उसमें नहीं है कि वह कुर्सियों के तलवे नहीं चाट सकता । इसी गुण के अभाव में तो एक दिन मैनेजर साहब उस पर बिगड़ गए थे । वह अपना हक मांगने उनके पास चला गया था, लेकिन लौटा था अपराधी बनकर । उस पर लापरवाही का मनगढ़ंत दोष लगाया गया था । उपले में दबी आग की तरह अंदर-ही-अंदर सुलग गया था वह।

भगवान साक्षी है उन दिनों का, जब उसके खून का एक-एक कतरा मेहनत करता था और उन्हीं दिनों वह भूख से बिलबिलाया था। भूख आदमी को कहां तक अनैतिक बना देती है, यह उसने उस दिन महसूस किया। 'रिसेस' का समय था। सब बच्चों ने अपना-अपना लंच-बॉक्स खोल लिया था । उसे अपनी गरीबी का अहसास हो आया। उसके पास दो सूखी रोटी भी कहाँ थी । चने मांगने के लिए उसने अपनी जेब में हाथ डाला, तो जेब खाली थी। सब्जी की गंध, देसी घी के परांठे, चटनी सामने बैठे बच्चे को खाते देख उसे मुँह में पानी भर आया। उसका मन हुआ कि वह बच्चे के हाथ से डिब्बा छीन ले । उसका हाथ जेब से निकला भी, लेकिन उसके मन के अंदर बैठे अध्यापक ने उसे रोक दिया।

(क) मैनेजर ने इस अध्यापक पर लापरवाही का मनगढंत दोष क्यों लगाया ? 1

(i) स्वाभिमानपूर्ण पूर्ण व्यवहार से आहत होने के कारण

(ii) उसमें गुणों का अभाव होने के कारण

(iii) कक्षा छोड़कर मैनेजर से मिलने के कारण

(iv) अध्यापक द्वारा दुगुने वेतन की मांग के कारण

(ख) थोथले अध्यापक और इस अध्यापक में क्या अंतर था ? 1

(i) थोथले अध्यापक के पास गुण थोथले जबकि इसके पास नहीं।

(ii) थोथला अध्यापक इस अध्यापक से कम वेतन पाता था।

(iii) थोथला अध्यापक इस अध्यापक से अधिक योग्य था।

(iv) थोथला अध्यापक चापलूसी करके उन्नति पाता था जबकि दूसरा स्वाभिमानी था।

(ग) गरीब स्वाभिमानी अध्यापक की मन:स्थिति कैसी थी? 1

(i) वह कम वेतन से दुखी था।

(ii) खाना न मिलने से दु:खी था।

(iii) अपमान व उपेक्षा से दु:खी था।

(iv) खून के आँसू बहाता था।

(घ) आजकल नौकरी में किसे तरक्की और वेतन-वृद्धि मिलती है? 1

(i) मेहनती व गुणी व्यक्ति

(ii) मेहनती मगर अवगुणी व्यक्ति

(iii) चापलूसी में दक्ष व्यक्ति

(iv) शिक्षित व योग्य व्यक्ति

(ङ) 'कुर्सियों के तलवे चाटना' से क्या तात्पर्य है? 1

(i) अधिकारियों या मालिकों की चापलूसी करना।

(ii) कुर्सी के नीचे की मिट्टी चाटना।

(iii) कुर्सी रखने की जगह को साफ करना।

(iv) एक काम से ध्यान हटाकर दूसरा काम करना।

प्रश्न3 निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सहीं विकल्प चुनकर लिखिए !

बंधन तो बंधन है
लौह-श्रृंखला का हो
रेशमी धागे का हो
या बिन धागे का ।
कड़ी न फेंको
कि वह उसे
तोड़ने को आतुर दिखे
या मस्तक झुकाए
कैदियों-सा जिए!
बाँधना ही है किसी को
तो बाजार से रेशमी धागा खरीदो
धागे में लगा रेशम
उसका मस्तक नत कर देगा
ज़्यादा नाजुक धागे
ज़्यादा मज़बूत होते हैं ।
और समा लेना चाहते हो किसी को
स्वयं मे तो
बस प्यार से
मुस्करा दो केवल

(क)'किसी पर हथकड़ी न फेंकों' का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए। 1

(i) किसी पर या किसी संबंध में जोर- जबरदस्ती का अधिकार न जताओं।

(ii) किसी पर लोहा न फेंकों ।

(iii) किसी को बंदी न बनाओ ।

(iv) किसी को गुलाम बनने के लिए विवश न करो।

(ख)'धागे में लगा रेशम' से क्या आशय है? 1

(i) रिश्तों में कीमती वस्तुओं का अहसास।

(ii) रिश्तों में कोमल भावनाएँ

(iii) रिश्तों में मिठास

(iv) रिश्तों में अकड़पन का अहसास ।

(ग) दूसरों को अपना बनाने का सर्वोत्तम उपाय क्या है ? 1

(i) प्यार भरा व्यवहार

(ii) अहंकार भरा व्यवहार

(iii) क्रोधपूर्ण व्यवहार

(iv) अधिकारपूर्ण व्यवहार

(घ) इस काव्यांश में कौन-कौन से तीन बंधनों का उल्लेख किया गया है? 1

(i) जबरदस्ती का, अधिकार का, प्रेम का बंधन

(ii) प्यार का, मुस्कुराहट का, अपनेपन का बंधन

(iii) जोर जबरदस्ती का, स्वेच्छापूर्वक बनाया प्रेम-बंधन, मानवता का खुला बंधन

(iv) विशालता का, इन्सानियत का बंधान

(ड) मानव-मानव के बीच कैसे संबंध होने चाहिए? 1

(i) राखी का धागा बांधकर बनाया गया संबंध

(ii) ईमानदारी से बनाया गया संबंध

(iii) ज़ोर-जबरदस्ती का संबंध

(iv) खुली मुस्कान का संबंध जिसमें मानवता बंध जाए ।

प्रश्न4 साक्षी है इतिहास हमीं पहले जागे है,

जाग्रत सब हो रहे हमारे ही आगे हैं ।

शत्रु हमारे कहां नहीं भय से भागे हैं ?

कायरता से कहां प्राण हमने त्यागे हैं?

हैं हमीं प्रकपित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय ।

फिर एक बार है विश्व है तेज हमारा, दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा ।

बतलाओं तुम कौन नहीं जो हमसे हारा ।

पर शरणागत हुआ कहाँ, कब हमें न प्यारा।

बस युद्ध मात्र को छोड़ कर, कहाँ नहीं हैं हम सदय।

फिर एक बार है विश्व! तुम गाओ भारत की विजय ।

(क) 'पहले जागे है' से क्या तात्पर्य है ? 1

(i) पहले सोकर उठना

(ii) पहले पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त करना

(iii) विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान पाना

(iv) वेद-पुराणों का ज्ञान होना

(ख) 'हैं हमीं प्रकंपित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय' इस कथन से हमारी किस विशेषता का बोध होता है?1

(i) युद्धवीरता और कठोरता का

(ii) विभिन्न युद्धकलाओं में निपुणता का

(iii) स्वर्ग तक हमारी पहुँच का

(iv) हमारे ऊँचे अभिमान का

(ग) विश्व को भारत का जयघोष करने के लिए क्यों कहा गया है ? 1

(i) भारत का इतिहास गौरवशाली रहा हैं ।

(ii) भारतीयों ने सर्वप्रथम ज्ञान प्राप्त किया हैं ।

(iii) भारतीय युद्धकलाओं में प्रवीण हैं ।

(iv) गौरवशाली इतिहास, सर्वप्रथम ज्ञान-प्राप्ति व युद्धवीरता आदि गुणों के कारण

(घ) 'सदय' का विपरीतार्थक लिखिए । 1

(i) निर्दय

(ii) अदय

(iii) सुदय

(iv) विदय

(ड़) भारत शरणागतों के साथ कैसा व्यवहार करता है ? 1

(i) दयालुता का व्यवहार करता है ।

(ii) मेहमाननवाजी करता है ।

(iii) कठोर व्यवहार करता है ।

(iv) निर्मम व्यवहार करता है ।

खण्ड 'ख'

प्रश्न5 (क) **'लंका का राजा रावण बहुत क्रूर था।'** इस वाक्य में रेखांकित पदबंध किस प्रकार का है? 1

(i) संज्ञा पदबंध (ii) सर्वनाम पदबंध (iii) विशेषण पदबंध (iv) क्रिया पदबंध

(ख) 'स्कूल जाने को तैयार लड़के बस की प्रतीक्षा में खड़े थे । इस वाक्य में विशेषण पदबंद्य है: 1

(i) स्कूल जाने को तैयार (ii) स्कूल जाने को तैयार लड़के

(iii) स्कूल जाने (iv) बस की प्रतीक्षा

(ग) **कुर्सी पर बैठा-बैठा वह** सो गया। इस वाक्य में रेखांकित पदबंद्य का भेद है: 1

(i) सर्वनाम पदबंध (ii) संज्ञा पदबंध (iii) विशेषण पदबंध (iv) क्रिया पदबंध

(घ) राहुल **चौथी** कक्षा में पढ़ता है। वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है: 1

(i) विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य

(ii) विशेषण, निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, कक्षा' विशेष्य

(iii) विशेषण, गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य

(iv) विशेषण, निश्चित परिमाणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन 'कक्षा विशेष्य

प्रश्न6 (क) निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य छाँटकर लिखिए: 1

(i) गिलास नीचे गिरकर टूट गया ।

(ii) गिलास नीचे गिरते ही टूट गया ।

(iii) गिलास नीचे गिरा और टूट गया ।

(iv) गिलास का नीचे गिरना था कि वह टूट गया ।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य छाँटकर लिखिए । 1

(i) मेरे स्टेशन पर पहुँचते ही गाड़ी आ चुकी थी ।

(ii) मोहन ने खाना खाया और सो गया ।

(iii) नवनीत घर देर से आया इसलिए उसे डाँट पड़ी ।

(iv) जब मैं स्टेशन पहुँचा, गाड़ी निकल गई थी

(ग) 'माँ ने बालक को खाना खिलाकर विद्यालय भेजा।' वाक्य का उचित संयुक्त वाक्य है: 1

(i) माँ ने बालक को खाना खिलाते ही विद्यालय भेजा ।

(ii) जब माँ ने बालक को खाना खिलाया तब विद्यालय भेजा ।

(iii) माँ ने बालक को खाना खिलाया और विद्याालय भेजा ।

(iv) जैसे ही माँ ने बालक को खाना खिलाया वैसे ही विद्यालय भेजा ।

(घ) 'मैं कार चलाने वाली लड़की से मिला।' वाक्य का उचित मिश्र वाक्य है: 1

(i) मैं उस लड़की से मिला जो कार चला रही थी ।

(ii) कार चलाने वाली लड़की से मैं मिला ।

(iii) मैं उस लड़की से मिला क्योंकि वह कार चला रही थी ।

(iv) वह कार चला रही थी इसलिए मैं उस लड़की से मिला ।

प्रश्न7 (क) 'कवींद्र' का उचित संधि-विच्छेद है: 1

(i) कवि+इंद (ii) कवी+इंद्र (iii) कवि+ईंद (iv) कवी+ईंद्र

(ख) 'उच्चारण' का उचित संधिा -विच्छेद है:

(i) उच+चारण (ii) उच्+चारण (iii) उ+चारण (iv) उत्+चारण

(ग) 'सूर द्वारा रचित' का समस्त पद और भेद है: 1

(i) सूररचित/कर्मधारय (ii) सूरोचित/कर्मद्यारय (iii) सूररचित/तत्पुरूष (iv) सूरोचित/तत्पुरूष

(घ) निम्नलिखित में किस समस्त पद में कर्मधारय समास है: 1

(i) लम्बोदर (ii) शरणागत (iii) बेशक (iv) नर-नारी

प्रश्न8. (क) 'आम के आम गुठलियों के दाम' मुहावरे का अर्थ है: 1

(i) किसी भी कार्य में दुगुना लाभ

(ii) किसी कार्य में लगी कीमत भी न मिलना

(iii) किसी कार्य में उतना ही लाभ होना जितना खर्च किया था

(iv) किसी कार्य में निराशा ही हाथ लगना

(ख)'अभी दिल्ली दूर है' लोकोक्ति का अर्थ है: 1

(i) अभी बहुत दूर जाना है ।

(ii) रास्ता बहुत लंबा है ।

(iii) अभी समय शेष है ।

(iv) अभी बहुत कार्य शेष है ।

(ग) 'बेवजह किसी से लड़ाई होना असंभव है क्योंकि वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति उचित लोकोक्ति द्वारा कीजिए।।

(i) किसी भी कार्य के लिए दो पक्षों का होना ।

(ii) एक हाथ से ताली नहीं बजती ।

(iii) एक थैली के चट्टे बट्टे ।

(iv) सब एक समान है ।

(घ) 'चोर ने ----- घर में प्रवेश किया।' वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए। 1

(i) छिपकर आना

(ii) दबे पाँव आना

(iii) सिर हथेली पर लेकर आना

(iv) डरते-डरते आना ।

प्रश्न9 इन वाक्यों में शुद्ध वाक्य पहचानिए :

(क)(i) प्रधानमंत्री भाषण दे रहा है । 1

(ii) प्रधाानमंत्री भाषण दे रहीं है ।

(iii) प्रधानमंत्री भाषण दे रहे हैं ।

(v) प्रधानमंत्री भाषण दे रहे हैं ।

(ख)(i) किताब मोहन ने दी शीला को । 1

(ii) मोहन ने किताब दी शाीला को ।

(iii) मोहन ने शीला को किताब दिया ।

(iv) मोहन ने शीला को किताब दी ।

(ग) (i) तुम थोड़ी देर के बाद उत्तर क्यों देती हों ? 1

(ii) तुम थोड़ी देर से उत्तर क्यों देती हो ?

(iii) तुम थोड़ी देर में उत्तर क्यों देती हो?

(iv) तुम थोड़ी देर के लिए उत्तर क्यों देती हो?

(घ) (i) मैंने मेरी पैन मेरे मित्र को दे दी । 1

(ii) मैंने मेरी पैन अपने मित्र को दे दी ।

(iii) मैंने अपना पैन अपने मित्र को दे दिया ।

(iv) मैंने अपनी पैन अपने मित्र को दे दी ।

खण्ड 'ग'

प्रश्न10निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से ढूँढकर लिखिए -

सारे शीतल कोमल नूतन,
माँग रहे तुझसे ज्वाला-बण
विश्व -शलभ सिर धुन कहता मैं
हाय न जल पाया तुझ में मिल
सिहर सिहर मेरे दीपक जल ।

(i) 'तुझसे' सर्वनाम शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है? 1

(क) कवि (ख) ईश्वर (ग) प्रियतम (घ) महादेवी वर्मा

(ii) 'शलभ' शब्द का सहीं अर्थ है- 1

(क) मक्खी (ख) पतंगा (ग) कीड़ा (घ) मच्छर

(iii) शलभ अपना सिर क्यों धुनता है?
1

(क) क्योंकि वह प्रकाश देखना चाहता है ।

(ख) क्योंकि वह प्रकाश देखने से पूर्व ही जल जाता है ।

(ग) क्योंकि वह ईश्वरीय प्रकाश नहीं देख पाता ।

(घ) परमतत्व में लीन होने की इच्छा पूरी नहीं कर पाता ।

(iv) कवयित्री ने दीपक किसे कहा है ?
1

(क) मन (ख)आत्मा (ग) दीया (घ) ईश्वर

(i) सिहर-सिहर शब्द की आवृति क्यों की गई है?
1

(क) मन की वेदना को उजागर करने के लिए

(ख) प्रसन्नता दर्शाने के लिए

(ग) कंपकंपाहट प्रदर्शित करने के लिए

(घ) तेज आँधी के प्रतीक अर्थ में

अथवा

कर चले हम फिदा जानो-तन साथियों

अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों

सांस थमती गई, नब्ज़ जमती गई

फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया

कट गए सर हमारें तो कुछ गम नहीं

सर हिमालय का हमने न झुकने दिया

(i) कवि ने 'साथियों ' संबोधन का प्रयोग किस के लिए किया है ? 1

(क) सैनिकों (ख) युवकों (ग) देशवासियों (घ) मित्रों

(ii) इस काव्यांश से सैनिक की किस स्थिति का पता चलता है ?

(क) दुर्घटनाग्रस्त होने की (ख) देशभक्ति की

(ग) डर जाने की (घ) देशभक्ति की

(iii) सांस थमने से क्या तात्पर्य है? 1

(क) मृत्यु होना (ख) साँस लेने में कठिनाई

(ग) सांस रूक-रूक कर लेना (घ) लम्बी साँस लेना

(iv) किसकी रक्षा की खातिर सैनिक को अपना सर कटने का गम नहीं है ?

(क) देश की रक्षा (ख) देशवासियों की रक्षा

(ग) हिमालय की रक्षा (घ) परिवार की रक्षा

(v) अंतिम साँसे लेता हुआ सैनिक चाहता है : 1

(क) उसकी मृत्यु के बाद देश आजाद रहे

(ख) उसकी मृत्यु के बाद कोई सुखी न रहे

(ग) उसकी मृत्यु के बाद कोई और मरने आए

(घ) उसकी मृत्यु के बाद भी देश की स्वतंत्रा पर दुशमन वार न कर सके ।

प्रश्न11 पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए - 5

(क) 'गिरगिट' कहानी वर्तमान पुलिस-व्यवस्था पर गहरा व्यंग्य है ! स्पष्ट कीजिए ।

(ख) प्रकृति मानवीय मूल्यों की साक्षात् तस्वीर है परन्तु मनुष्य के लालच व खिलवाड़ के कारण वह क्रोधित होकर बदल लेती है वर्तमान उदाहरण द्वारा उपर्युक्त वाक्य को प्रमाणित कीजिए ।

(ग) मनुष्य जीवन में आदर्शवादिता या व्यवहारिकता में से किसका मूल्य सर्वाधिक है ?

प्रश्न12 निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखिए -

'हमारे जीवने की रतार बढ़ गई है । यहाँ कोई चलता नहीं बल्कि दौड़ता है। कोई बोलता नहीं, बकता है! हम जब अकेले पड़ते हैं तब अपने आपसे लगातार बड़बडाते रहते है। '

पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'मुट्ठीभर आदमी और ये दमखम' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न13 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

आसिफउद्दौला का भाई है। बजीर अली का और उसका दुश्मन। असल में नवाब आसिफउद्दौला के यहाँ लड़के की कोई उम्मीद नहीं थी। वजीर अली की पैदाइश को सआदत अली ने अपनी मौत ख्याल किया ।

(i) आसिफउद्दौला के भाई का क्या नाम है ? 1

(ii) सआदत अली किस-किस का दुश्मन था? 1

(iii) आसिफउद्दौला के घर में जन्म लेने वाली संतान का नाम क्या था? 1

(iv) वजीर अली की पैदाइश को सआदत अली ने अपनी मौत क्यों ख्याल किया ? 1

अथवा

पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिलजुलकर रहते थे जब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने संमदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है , फैलत हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है ।

(i) संसार टुकड़ों में क्यों बंट गया है ? 1

(ii) पहले मनुष्य का रहन-सहन कैसा था? 1

(iii) प्रदूषण के किस महत्वपूर्ण कारण का उल्लेख इस गद्यांश में किया गया है ? 1

(iv) बढ़ती जनसंख्या के क्या-क्या दुष्परिणाम उजागर हुए है ? 2

प्रश्न14 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(i) सिद्ध कीजिए कि बिहारी कम शब्दों में यथार्थ वातावरण बिखरने की अद्‌भुत क्षमता रखते थे। 2

(ii) किन-किन उद्‌हरणों द्वारा कवि मैथिलीशरण गुप्त जी ने अनित्य देह के लिए अनादि जीव को न डरने का संदेश दिया है ? 2

(i) 'आत्मत्रण' कविता अन्य प्रार्थना गीतों से किस प्रकार अलग है ? 1

प्रश्न15 निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए -

ओमा कौन था? लड़ाई के समय उसकी क्या विशेषता थी जिससें अन्य विद्यार्थी डरते थे? 3

अथवा

टोपी शुक्ला ने इफ्फन के समक्ष दादी बदलने का प्रस्ताव क्यों रखा था?

प्रश्न16 इफ्फन की दादी के मायके का घर कस्टोडियन में क्यों चला गया ? 2

खण्ड 'घ'

प्रश्न17 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए - 5

(क) भ्रष्टाचार : एक समस्या

(i) भ्रष्टाचार पनपने के कारण

(ii) स्वरूप

(iii) रोकने के उपाय

(iv) वर्तमान स्थिति

(ख) अपहरण और मासूम बच्चे

(i) भारत में अपहरण की घटनाएँ

(ii) पैसा कमाने की चाह

(iii) राजनीति भी अपराध जगत का हिस्सा

(iv) बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण

(ग) **हमारे गाँव**

(i) गाँवों का स्वरूप

(ii) आज के गाँव व उनकी स्थिति

(iii) गाँवों में सुधार की स्थिति

(iv) परिवर्तन जरूरी

प्रश्न18. चरित्र प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। 5

अथवा

बस कर्मचारी के अशिष्ट व्यवहार की शिकायत करते हुए अपने प्रदेश के परिवहन प्रबंधक को पत्र लिखिए।

अनुमानित अंक तालिका

संकलित परीक्षा-2

कक्षा-दसवीं

विषय-हिन्दी-B

खण्ड-क

प्रश्न 1-	क	(i)	ख	(iii)	ग	(iii)	घ	(i)	ङ	(iv)	1x5=5
प्रश्न 2-	क	(i)	ख	(iv)	ग	(ii)	घ	(ii)	ङ	(i)	1x5=5
प्रश्न 3-	क	(i)	ख	(ii)	ग	(i)	घ	(iii)	ङ	(iv)	1x5=5
प्रश्न 4-	क	(iv)	ख	(i)	ग	(iv)	घ	(i)	ङ	(i)	1x5=5

खण्ड 'ख'

प्रश्न 5-	क	(i)	ख	(i)	ग	(i)	घ	(ii)	1x4=4
प्रश्न 6-	क	(iii)	ख	(iv)	ग	(iii)	घ	(i)	1x4=4
प्रश्न 7-	क	(i)	ख	(iv)	ग	(iii)	घ	(i)	1x4=4
प्रश्न 8-	क	(i)	ख	(iv)	ग	(ii)	घ	(ii)	1x4=4
प्रश्न 9-	क	(iv)	ख	(iv)	ग	(i)	घ	(ii)	1x4=4

खण्ड'ग'

प्रश्न 10-	(i)	ख	(ii)	ख	(iii)	ख	(iv)	ख	(v)	ग	1x5=5

अथवा

(i)	म	(ii)	ख	(iii)	क	(iv)	क	(v)	घ	

प्रश्न11(क) पुलिस के अतार्किक व अन्यायपूर्ण रवैये पर व्यंग्य 2.5+2.5=5

- अपने हित-साधन को प्रमुखता
- अफसरशाही को बोलबाला

(ख) प्रकृति अपने ही नियमों पर चलती है

- छेड़छाड़ से कुपित

- मानव ने श्रेष्ठता व भिन्नता का अंतर खड़ा किया है ।
- बाढ़, सूख, सुनामी, की स्थिति

(ग) दोनों ही महत्वपूर्ण

- आदर्श भूलने पर व्यवहारिकता को अधिक महत्व
- व्यवहारिकता पतन का कारण
- दोनों में सामंजस्य आवश्यकता

प्रश्न12 संदर्भ-खींद्र केलेकर झेन की देन 1

प्रसंग-अत्यधिक कामना के कारण अधिक भाग-दौड़ 2

अनियंत्रित इच्छाएँ

आशय-सहजता व गरिमा नष्ट होना 2

तनावग्रस्त जीवन

चलना- सहज गति

दौड़ना- तनाव भरी जिंदगी का प्रतीक

अथवा

संदर्भ-कारतूस 1

हबीब तनवीर

प्रसंग-बजीर अली की वीरता और साहस का वर्णन 2

अंग्रेजों के दाँत खट्टे करना

आशय-वजीर अली की हिम्मत और बहादुरी की प्रशंसा 2

अंग्रेजो को खुलेआम चुनौती

कंपनी-वकील की हत्या

प्रश्न13 (i) सआदत अली 1

(ii) आसफउद्दौला व वजीर अली 1

(iii) वजीर अली 1

(iv) क्योंकि अवद्य की गद्दी हाथ से निकल गई थी । 1

अथवा

- दिन-ब-दिन मनुष्य का बढता लालच
- संयुक्त व बड़ा परिवार
- पक्षियों का नगर में रहना दूभर
- वातावरण में अत्यधिक गर्मी

- बाढ़, बरसात, तूफान, नए-नए रोग
- समुद्रतट पर उंचे भवन
- जंगलो की कटाई
- प्राकृतिक प्रकोप

प्रश्न14 (i) भरे भवन में नायक-नायिका द्वारा नयनों से बातचीत का उदाहरण 2

(ii) भूख से व्याकुल रंतिदेव, दधीचि ऋषि, राजा क्षितीश व वीर कर्ण के उदाहरण 2

(iii) कठिनाईयों व कष्ट से मुक्ति की अपेक्षा उन्हें सहन करने की क्षमता मांगी गई है ।

- ईश्वरीय कृपा की इच्छा। 1

प्रश्न15 • लेखक व उसके मित्रों का नेता

- सिर किसी के पेट या छाती में मारता
- रेल-बम्बा' जैसे बड़े सिर की टक्कर 3

अथवा

- अपनी दादी का क्रूर व्यवहार
- इफ्फन की दादी का प्यार व अपनत्व

प्रश्न16 2

- इफ्फन की दादी पूर्व में किसी जगह की रहने वाली थी। ।
- ब्याहकर लखनउ आई
- लावारिस घर कस्टोडियन में चला गया ।

खण्ड घ

प्रश्न17 अनुच्छेद 4+1=5

- दिए गए बिन्दुओं को प्रयोग
- भाषा-शुद्धता

प्रश्न18-पत्र आरम्भ + मधय + अन्त 5

2 + 2 + 1